भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2668

उत्तर देने की तारीख : सोमवार,17 मार्च 2025

26 फाल्गुन, 1946 (शक)

संरक्षित स्मारकों का परिरक्षण

2668. श्री तनुज पुनिया

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनवरी 2022 से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में संरक्षित स्मारकों के परिरक्षण के लिए आवंटित, स्वीकृत और संवितरित राशि का वर्षवार और जिले-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उन मानदंडों का ब्यौरा क्या है जिसके तहत सरकार किसी स्थान को संरक्षित स्मारकों के रूप में नामित करती है:

(ग) जनवरी 2022 से संरक्षण के लिए सरकार द्वारा संरक्षित स्मारकों के रूप में वर्गीकृत स्मारकों का राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार अगले पांच वर्षों में संरक्षित स्मारकों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) : उत्तर प्रदेश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत कुल 743 स्मारक/स्थल संरक्षित हैं। विगत तीन वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान संरक्षित स्मारकों के संरक्षण के लिए आवंटित, स्वीकृत और संवितरित राशि का विवरण निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रूपये में)

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	आवंटन
1.	2021-22	42.24
2.	2022-23	63.65
3.	2023-24	65.54
4.	2024-25 (दिनांक 03.03.2025 तक)	44.80

(ख) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 की धारा 4 (3) के अंतर्गत पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के प्राचीन स्मारकों को राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारक के रूप में घोषित किया जाता है।

(ग) : सरकार द्वारा जनवरी, 2022 से संरक्षण हेतु संरक्षित स्मारकों के रूप में वर्गीकृत किए गए स्मारकों का राज्य-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(घ) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण स्मारकों और स्थलों का उत्खनन, सर्वेक्षण और निरीक्षण करता है। जब भी कोई राष्ट्रीय महत्व के संरक्षण योग्य स्मारक पाया जाता है तो इस संबंध में एक संरक्षण प्रस्ताव तैयार किया जाता है और विभिन्न स्तरों पर जांच किये जाने

के बाद, इसे प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित स्मारक के रूप में घोषित किया जाता है।

अनुबंध-I

लोकसभा में दिनांक 17.03.2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 2668 के भाग (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

संरक्षण का वर्ष	क्रम संख्या	स्मारक/स्थल का नाम	राज्य
2022	1.	प्राचीन खदान स्थल-I, धोलावीरा	गुजरात
	2.	प्राचीन खदान स्थल-II, धोलावीरा	गुजरात
2023	3.	सुरनकोट अवस्थित पुराना नौला	उत्तराखंड
	4.	कपिलेश्वर अवस्थित कपिलेश्वर मंदिर	ओडिशा
2024	5.	राखिग्रही का प्राचीन स्थल संख्या-6	हरियाणा
	6.	राखिग्रही का प्राचीन स्थल संख्या-7	हरियाणा

*****